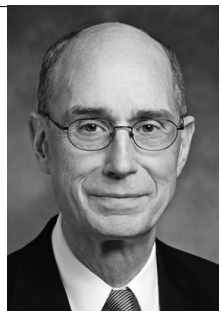

**अध्यक्ष हेनरी बी. आएरिंग द्वारा**
प्रथम अध्यक्षता में प्रथम सलाहकार

# परिवार और सदा के मित्र

जहां कहीं भी आप रहते हैं, आपके पास मित्र होते हैं जो आपकी खुशी जिसे आप ने पुनास्थापित यीशु मसीह के सुसमाचार को जीने से पाई है को खोजते हैं । हो सकता है वे उस आनन्द का वर्णन शब्दों में न कर पाएं, परन्तु वे उसे पहचान सकते हैं जब वे उसे आपके जीवन में देखते हैं । वे उस आनन्द के स्त्रोत को सीखने की लालसा करेंगे, विशेषकर जब वे आपको भी उन्हीं परेशानियों का सामना करते देखते हैं जैसे वे करते हैं ।

आप आनन्द महसूस करते है जब आप परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करते हैं । यह सुसमाचार को जीने का वादा किया गया फल है (देखें मूसायाह 2:41)। दूसरों के नजरीए से आप ईमानदारी से प्रभु की आज्ञाओं का पालन नहीं करते हो, परन्तु जो आपके आनन्द को ध्यान से देखते हैं उनको प्रभु द्वारा तैयार किया जाता हैं कि वह पुनास्थापित सुसमाचार के अच्छे समाचार को सुनें ।

आशीषें जो आपको दी गई हैं वे आप के लिए जिम्मेदारी और अदभुत सुअवसर की रचना करती हैं । जैसे आप यीशु मसीह के अनुबंधित शिष्य हो, आपकी जिम्मेदारी है कि आप दूसरों को आनन्द प्राप्त करने के सुअवसर को बढ़ाएं, विशेषकर आपके मित्र और आपके परिवार के सदस्य का ।

प्रभु ने आपके सुअवसर को देखा है और आपकी जिम्मेदारी का वर्णन इस आज्ञा के साथ करता है : ''यह सभी लोगों के लिये है जिन्हें चेतावनी दी गई है की वे अपने पड़ोसी को चेतावनी दें'' (सिऔरअनु 88:81) ।

प्रभु उन आज्ञाओं का पालन करना आसान बना देता जोकि आपके हृदय में आपके और यीशु मसीह के सुसमाचार को जीने और ग्रहण करने के बदलाव के द्वारा उभरती हैं । परिणाम स्वरुप, दूसरों के प्रति आपका प्रेम बढ़ता है, जब आप उनके लिए उसी आनन्द की कामना करते हैं जिसका आप अनुभव करते हैं ।

एक उदाहरण उस बदलाव का, कैसे आप प्रभु के प्रचारक कार्य में मदद करने के मौके का स्वागत करते हैं । पूरे समय के प्रचारक जल्दी ही एक सच्चे परिवर्तित के एक संदर्भ के निवेदन को जानकर स्वीकार कर जवाब दे सकते हैं । परिवर्तित मित्रों और परिवार के सदस्यों में अपनी खुशी बांटने के इच्छुक होते हैं ।

जब आपके वार्ड मिशन मार्गदर्शक या प्रचारक सीखाने के लिए किसी का नाम पूछते हैं, तो यह आपके लिए बहुत गर्व की बात होती है । वे जानते हैं कि आपकी खुशी को मित्रों ने देखा है और, इसलिए, वे मित्र सुनने को तैयार होते और सुसमाचार को चुनकर ग्रहण करते हैं । और उनके पास भरोसा होता है कि आप उनके वह मित्र होंगे जिनकी जरूरत तब होगी जब वे इस राज्य में आते हैं ।

आपको डरने की जरुरत नहीं है कि आप अपने मित्रों को प्रचारकों से मिलने का निमंत्रण देकर खो देगें । मेरे पास मित्र हैं जिन्होंने प्रचारकों को नकार दिया था परन्तु मेरा धन्यवाद करते है कि मैंने उन्हें बहुत सालों पहले उनसे निवेदन उस बात के लिए किया था जिसे वे जानते थे कि मेरे लिये अमूल्य थी । आप सुसमाचार को देकर सदा के लिए मित्र बना सकते हैं, जिससे वे आपको आनन्दित होता देखते हैं । कभी भी मित्र को निंमत्रण देने का मौका न छोड़ें और विशेषकर परिवार के सदस्य को आनन्द की योजना का अनुसरण का चुनाव करने का ।

गिरजे के मंदिरों में जाने के निंमत्रण से अधिक कोई भी महान सुअवसर नहीं होता है । हम हमारे पूवर्जो की मुक्ति की धर्मविधियां करने का निवेदन कर सकते है जिसे वे जीवन में प्राप्त नहीं कर सके थे । वे आप को ऊपर से नीचे प्रेम और आशा के साथ देखते हैं । प्रभु ने वादा किया है कि उन्हें उसके राज्य में आने के सुअवसर मिलेंगे (देखें सिऔरअनु 137:7–8), और उसने आपके हृदयों में उनके लिए प्रेम पैदा किया है ।

आप में से बहुतों को मंदिर की धर्मविधियां दूसरों के लिए करने से खुशी का एहसास होता है, जैसे कि आप करते है जब आप प्रचारकों को लोगों से मिलने के लिये नाम देते हैं । आपको अपने पूर्वजों के लिए धर्मविधियां करने से जो आपार खुशी का एहसास मिलता है । इसका भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ को प्रकटीकरण दिया गया था कि हमारी अनन्त खुशी तभी संभव है जब हम मंदिर की प्रतिनिधिक धर्मविधियों द्वारा अपने पूर्वजों के लिये उस आशीष का मार्ग उपलब्ध कराते हैं (देखें सिऔरअनु 128:18)।

बड़े दिन का समय हमारे हृदयों को उद्धारकर्ता की ओर मोड़ता है और उसके सुसमाचार हमारे लिए खुशी लाता है । हम अपना सब से अच्छा आभार उसके प्रति व्यक्त करते है जब हम दूसरों को वैसा ही आनन्द प्रदान करते हैं । आभार खुशी में बदला जाता है जब हम प्रचारकों को नाम देते हैं और जब हम अपने पूर्वज के नाम मंदिर में ले जाते हैं । हमारे आभार का वो सबूत ही मित्रों और परिवार को हमेशा के लिए अन्त तक बना सकता है ।

---

**इस संदेश से शिक्षा**

अध्यक्ष आइरिंग बताते है कि हम अपना आभार उद्धारकर्ता के लिए दूसरों के साथ सुसमाचार को बांटने के द्वारा दिखा सकते हैं । जिन्हें आप सीखाते हैं के साथ चर्चा कर सकते हैं कि उनके जीवन कैसे सुसमाचार के उपहार से आशीषित हुए थे । प्राथर्नापूवर्क उन्हें पहचानाने पर विचार करें जिने के साथ वह सुसमाचार का उपहार को इच्छापूवर्क बांटेने के लिए आमंत्रित करें और कैसे वे यह कर सकते हैं ।

## बच्चे

### अपनी गवाही बांटे

इस बड़े दिन पर आप सुसमाचार का उपहार अपने मित्रों या पड़ोंसी को मारॅमन की पुस्तक की एक प्रति अपनी गवाही को अन्दर लिखने के साथ बांट सकते हैं । निम्न तरीकों के साथ इसे तैयार करें :

1. एक काग़ज के टुकड़े पर, 41/2 x 61/2 ईचं (111/2 x 161/2 सेमी) को लगभग चाकौर नाप कर और किसी बड़े की मदद से इसे काटें ।
2. अपनी तस्वीर लगाएं—चाहे चित्र या एक तस्वीर—इसे पृष्ठ पर ऊपर लगाएं ।
3. अपनी तस्वीर के नीचे अपनी गवाही लिखें ।
4. मारॅमन की पुस्तक के भीतर के कॉवर पर किसी बड़े की मदद से इस पन्ने को लगाएं ।

## युवा

### क्या मैं मारॅमन की पुस्तक को बांट सकता हूं ?

**जोश अरनेट द्वारा**

मेरे हाई स्कूल के प्रथम वर्ष के दौरान, मेरी धर्मप्रशिक्षण शिक्षका ने मेरी कक्षा को गैर-सदस्य दोस्तों को मारॅमन की पुस्तक बांटने के लिए आंमत्रित किया था । यद्यपि मैं बहुत संकोची था, फिर भी मैंने निंमत्रण को स्वीकार कर लिया ।

मुझे उत्साह को बटोरने के लिए कुछ दिन लग गए थे, परन्तु मैंने आखिरकार मेरी मित्र ब्रिटनी को दोपहर के खाने के समय पुस्तक दे दी और एक छोटी सी गवाही बांटी थी । ब्रिटनी ने पुस्तक के लिये धन्यवाद किया था ।

स्कूल के आखिरी वर्ष के अन्त में, ब्रिटनी चली गई थी, लेकिन हम एक दूसरे के संर्पक में थे । उसने मुझे अपने नए स्कूल के बारे में बताया था और कैसे सारे उसके मित्रगण गिरजे के सदस्य थे, परन्तु वह कभी भी मेरे साथ आत्मिक बातें नहीं करती थी ।

मेरे मिशन पर जाने से पहले वह बदल गई । ब्रिटनी से मुझे एक संदेश मिला कि उसके पास मेरे लिए एक बड़ी खबर हैः वह बपतिस्मा लेने जा रही थी, और वह मुझे उसका मित्र होने के लिए और एक अच्छा उदाहरण बने रहने के लिए धन्यवाद करना चाहती थी ।

परमेश्वर ने बिना प्रचारक अनुभव के एक 15 साल का शार्मिले लड़के को चुना था और उसे किसी के साथ जिसे वह जानता था कि उसे स्वीकार करेगा को सुसमाचार बांटने का निर्देश दिया था । मैंने यह आत्मा के सुनने के द्वारा जानता था, हम सभी अपने चारों ओर लोगों को पा सकते हैं जो पुनास्थापित सुसमाचार को सीखने की प्रतिक्षा करते हैं । मै जानता हूं कि यदि हम एक भी व्यक्ति को प्रभु के पास लाने में मदद करते हैं,''[हमारा] आनन्द उसके साथ कितना महान होगा हमारे पिता के राज्य में !'' (सि और अनु 18:15) ।

© 2013 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/12 । अनुवाद अनुमतिः 6/12 । *First Presidency Message, December 2013* का अनुवाद । Hindi । 10672 294 का अनुवाद

# यीशु मसीह का दिव्य मिशनः एकलौता पुत्र

*प्रार्थनापूर्वक इस सामाग्री को पढ़ें और क्या बांटना है को जानने के लिये खोजें । उद्धारकर्ता का जीवन और सेवाकाई उसमें कैसे आपके विश्वास को बढ़ाता और उन्हें आशीष देता है जिनका आप भेंट करने वाला शिक्षका के द्वारा ध्यान रखते हैं ? अधिक जानकारी के लिए पर जाएं* ***reliefsociety.lds.org*** *।*

**विश्वास, परिवार, सहायता**

भेंट करने वाला शिक्षा संदेश का यह उद्धारकर्ता के सेवाकाई के पहलुओं का वर्णन करने की श्रंखला का एक भाग है ।

हमारे उद्धारकर्ता, यीशु मसीह, को एकलौता पुत्र कहा जाता है क्योंकि सिर्फ वही इस पृथ्वी पर नश्वर माता और अनश्वर पिता से पैदा हुआ है । उसे परमेश्वर की दिव्य शक्तियां विरासत में मिली थी अपने पिता से । उसकी माता, मरियम के कारण वह नश्वरता और भूख, प्यास, थकान, दर्द,और मृत्यु के आधीन था ।[1]

क्योंकि यीशु मसीह ही पिता का एकलौता पुत्र है, उसी के पास अपना जीवन देने की और उसे दुबारा से लेने की क्षमता है । धर्मशास्त्र यह सीखाता है ''मसीह के प्रायश्चित द्वारा,'' हमें ''पुनरूत्थान प्राप्त होगा''(याकूब 4:11) । हम यह भी सीखते हैं कि ''अमरत्व से अनंत जीवन में जिलाए जा सकते है'' यदि हम ''विश्वास करें तो'' (सिऔरअनु 29:43) ।

जब हम यीशु को पिता का एकलौता पुत्र होने के उस मतलब को और अधिक समझते हैं, तो हमारा विश्वास मसीह में और बढ़ेगा । एलडर डी. टोड क्रिस्टोफरसन बारह प्रेरितों के परिषद से ने कहा, ''यीशु मसीह में विश्वास दृढ़ और भरोसेमन्द होता है (1) उसका स्तर परमेश्वर का एकलौता पुत्र होने के रूप में, (2) उसका आसीम प्रायश्चित, और (3) उसका वास्तविकता में पुनरूथान होना है ।''[2] आधुनिक भविष्यवक्ता ने साक्षी दी हैः ''मांस और हड्डी में [यीशु मसीह] ही एकलौता पुत्र है, संसार का मुक्तिदाता ।''[3]

### *धर्मशास्त्रों से*

यूहन्ना 3:16; सिद्धांत और अनुबंध 20:21–24; मूसा 5:6–9

### *हमारे इतिहास से*

नये नियम में हम स्त्रियों के बारे में पढ़ते हैं, नाम और बेनाम, जिन्होंने यीशु मसीह में विश्वास का अभ्यास किया था, उसकी शिक्षा को सीखा और जीया, उसकी सेवाकाई, चमत्कारों, और महिमा की गवाही दी थी । यह स्त्रियां शिष्यता का उदाहरण बनी और उद्धार के कार्य में महत्वपूर्ण गवाह बनी थीं ।

उदाहरण के लिए, मारथा ने उद्धारकर्ता के दिव्यता की ठोस गवाही दी थी जब उसने उससे कहा था, ''मैं विश्वास करती हूं कि आप ही मसीह हो, परमेश्वर का पुत्र, जिसे संसार में आना चाहिए'' (यूहन्ना 11:27) ।

कुछ उद्धारकर्ता के दिव्यता के पहले गवाह हैं उसकी मां, मरियम, और उसकी चचेरी बहन ऐलिजाबेथ । स्वर्गदूत जेब्रियाएल का मरियम से भेंट के तुरन्त बाद, वह ऐलिजाबेथ से मिली थी । ऐलिजाबेथ ने जैसे ही मरियम की शुभकामना सुनी, वह,''पवित्र आत्मा से भर गई थी'' (लूका 1:41) गवाही दी कि मरियम परमेश्वर के पुत्र की माता बनेगी ।

**विवरण**

1. देखें *Gospel Principles* (2009), 52–53
2. D. Todd Christofferson, "Building Faith in Christ," *लियाहोना,* सित. 2012, 13.
3. "The Living Christ: The Testimony of the Apostles," *लियाहोना, अप्रैल* 2000, 2–3.

***मैं क्या कर सकती हूं ?***

1. मेरे लिए यीशु मसीह की भूमिका को समझना महत्वपूर्ण क्यों है ?

2. उद्धारकर्ता में अनुबंध हमारे विश्वास को कैसे बढ़ाता है ?

© 2013 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/12 । अनुवाद अनुमतिः 6/12 । *Visiting Teaching Message, December 2013* का अनुवाद । Hindi । 10672 294 का अनुवाद